

# राजस्थान में कोविड-19 महामारी के दौरान एमएसएमई में महिला उद्यमियों की स्थिति

अक्षय कुलहरि, शोधार्थी, श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय, झुन्झुनू  
डॉ. शिवकुमार, सहायक आचार्य, श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबड़ेवाला विश्वविद्यालय, झुन्झुनू

## सारांश

विगत पांच वर्षों में, महिला उद्यमियों की भागीदारी में वृद्धि के साथ-साथ स्टार्ट-अप की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। इस शोधपत्र का उद्देश्य राजस्थान में सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में महिला उद्यमियों की स्थिति पर कोविड-19 महामारी के प्रभाव की जांच करना है। प्राथमिक ध्यान इस बात पर है कि महामारी ने महिला उद्यमियों को उनके पुरुष समकक्षों के संबंध में कैसे प्रभावित किया है। एमएसएमई मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट, पत्रिकाओं और प्रकाशित लेखों जैसे विविध स्रोतों से निकाले गए द्वितीयक डेटा का उपयोग करते हुए, यह अध्ययन अपने उद्देश्यों को व्यापक रूप से संबोधित करता है। निष्कर्ष इस बात को रेखांकित करते हैं कि महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को पुरुषों के नेतृत्व वाले व्यवसायों की तुलना में बंद होने और निष्क्रियता की लंबी अवधि तक बने रहने की अधिक संभावना का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा, महिला उद्यमियों ने भविष्य के बारे में अधिक निराशावादी दृष्टिकोण व्यक्त किया है। अध्ययन राज्य स्तर पर महिला उद्यमियों के परिदृश्य में उल्लेखनीय विविधताओं को भी प्रकट करता है।

**कीवर्ड:**—कोविड-19, महामारी का प्रभाव, महिला उद्यमी, एमएसएमई